'खनन उद्योग विकास के लिए महत्वपूर्ण'

बोले शिवकुमार

कहा, 35 साल में पहली बार खनन से मिला चार गुना राजस्व

रुद्रपुर, वरिष्ठ संवाददाता। उत्तराखंड के प्रसिद्ध उद्योगपति एवं कुमार ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक शिवकुमार अग्रवाल ने कहा है कि खनन उद्योग उत्तराखंड के आर्थिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

एलएससी इन्फ्राटेक लिमिटेड के कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में शिवकुमार अग्रवाल ने वर्तमान में प्रदेश की मिनरल पॉलिसी को लेकर की जा रही आलोचनाओं को निराधार बताया। कहा कि अपने 35 वर्षों के उत्तराखंड के व्यावसायिक अनुभव में यह पहली बार है, जब विगत डेढ़ वर्ष में खनन से राज्य सरकार को चार गुना अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है।

उन्होंने बताया कि खनन से होने वाला राजस्व 300 करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 1200 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसका उपयोग विकास कार्यों में किया जाएगा। कहा कि उन्हें कुल 60 वर्षों का व्यावसायिक अनुभव है और उनकी कंपनी पिछले 35 वर्षों से उत्तराखंड में मिनरल एवं माइनिंग सेक्टर में कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी एशिया की सबसे बड़ी मिनरल प्रोसेसिंग कंपनियों में शामिल है। पूर्व में सरकारी विभागों और सिस्टम की कमजोरियों के कारण मिनरल की लीकेज और चोरी होती थी, जबकि स्टोन क्रशिंग इंडस्ट्री को कोई वास्तविक लाभ नहीं मिल पाता था।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में लगभग 400 स्टोन क्रशिंग इकाइयां संचालित हैं, जो राज्य में सबसे अधिक रोजगार देने वाला उद्योग है। इससे करीब सात लाख परिवारों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला हुआ है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और खनन विभाग की टीम द्वारा किए गए बड़े सुधारों से उद्योग, समाज और राज्य तीनों को लाभ मिला है। वर्तमान मिनरल पॉलिसी उत्तराखंड के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश और राजस्थान में भी लागू है।